Nai Dunia (Indore), 23rd March 2022, Page – 05

आइआइएम और आइआइटी इंदौर ने मिलकर शुरू किया दो वर्षीय मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम

दोनों संस्थानों के शिक्षक पढ़ाएंगे, 41 प्रतिभागियों ने लिया प्रवेश

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रबंध संस्थान (आइआइएम) इंदौर ने पहला मास्टर डिग्री प्रोग्राम शुरू करने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर के साथ समझौता किया है। डाटा विज्ञान और प्रबंधन विषय में दो वर्षीय मास्टर आफ साइंस (एमएस) पाठ्यक्रम शुरू किया गया है जो आनलाइन संचालित होगा। इसमें 15 घंटे के लाइव सत्र और कुल 900 घंटे का शिक्षण होगा। कुशल डाटा विज्ञानियों और विश्लेषकों की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए इस पाठ्यक्रम को शुरू किया गया है।

पाठ्यक्रम का आनलाइन उद्घाटन सोमवार को आइआइएम के निदेशक प्रो. हिमांशु राय, आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी, आइआइटी के पूर्व कार्यवाहक निदेशक प्रो. नीलेश कुमार जैन, प्रो. अमित वत्स और अन्य प्रोफेसर की मौजूदगी में हुआ। प्रो. राय ने बताया कि डाटा की उपलब्धता को

सार्थकता में बदलना ही इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है। उन्होंने प्रतिभागियों से कहा कि आप जिस दुनिया का हिस्सा बनना चाहते हैं, उसकी कल्पना करते हुए उसे यथार्थ में बदलने के लिए कदम बढ़ाएं।

प्रो. राय ने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है। आपको दुनिया की नई वास्तविकताओं के अनुकूल होने की जरूरत है क्योंकि आने वाले वर्षों में सफलता न केवल योग्यतम के लिए अपितु सबसे फुर्तीले और वातावरण के अनुसार स्वयं को ढालने वालों के लिए उपलब्ध होगी।

पाठ्यक्रम में मशीन लर्निंग और एआइ भी शामिल

आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा कि व्यवसायों को महामारी के बाद के परिदृश्य में प्रबंधन और डाटा विज्ञान उपकरण और तकनीकों में कुशल कार्यबल की आवश्यकता है। दो प्रमुख संस्थानों द्वारा पेश किया गया यह व्यापक पाठ्यक्रम व्यावसायिक ज्ञान और तकनीकी कौशल दोनों पर केंद्रित है। प्रो. नीलेश जैन ने भी कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। पाठ्यक्रम में मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वित्त प्रबंधन, डाटाबेस प्रबंधन तंत्र, सांख्यिकी विधियां, मानव संसाधन प्रबंधन, रणनीतिक प्रबंधन, सूचना तंत्र, आचार-विचार और अन्य सत्र शामिल हैं। पाठ्यक्रम की पहली बैच के लिए देशभर से 41 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है।